

प्रेषक,

टीकम सिंह पंवार,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

वैज्ञानिक प्रभारी,
सगन्ध पौधा केन्द्र,
सेलाकुई, देहरादून।

उद्यान एवं रेशम अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक: 14 मई, 2016

विषय: सगन्ध पौधा केन्द्र, सेलाकुई में निर्माणाधीन एरोमा प्रोसेसिंग सेन्टर के भवन के द्वितीय तल पर परफ्यूमरी प्रयोगशाला के निर्माण कार्य हेतु वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-1234/कैप/2015-16, दिनांक-21.01.2016 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2015-16 में सगन्ध पौधा केन्द्र, सेलाकुई हेतु निर्माणाधीन एरोमा प्रोसेसिंग सेन्टर के द्वितीय तल पर परफ्यूमरी प्रयोगशाला के निर्माण हेतु शासनादेश संख्या-348/XVI-2/16/19(15)/2015, दिनांक-22 मार्च, 2016 के द्वारा राज्य आकस्मिकता निधि से ₹50.00 लाख की स्वीकृति से प्रदान की गयी, के क्रम में उत्तराखण्ड पेयजल संसाधन विकास एवं निर्माण निगम की टी0ए0सी0 द्वारा परीक्षणोपरान्त उपलब्ध कराये गये आंगणन ₹324.30 लाख (₹ तीन करोड़ चौबीस लाख तीस हजार मात्र) की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति निम्नलिखित शर्तों के अधीन श्री राज्यपाल सहर्ष प्रदान करते हैं :-

2- व्यय करते समय अधिप्राप्ति नियमावली-2008 के समस्त नियमों का अनुपालन किया जाय।

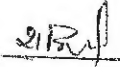
3- धनराशि का व्यय अनुमोदित लागत तक ही रखा जायेगा। उससे अधिक का व्यय प्रत्येक दशा में शासन का अनुमोदन प्राप्त करने के पश्चात् ही किया जायेगा। अतिरिक्त धनराशि की प्रत्याशा में अनधिकृत व्यय नहीं किया जायेगा। व्यय आवंटित बजट की सीमा में ही किया जायेगा।

4- स्वीकृत धनराशि का आहरण/व्यय मानकों के अनुसार सुनिश्चित किया जायेगा।

5- कार्य करने से पूर्व मदवार दर विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों के आधार पर तथा जो दरें शिड्यूल आफ रेट्स में स्वीकृत नहीं हैं, अथवा बाजार भाव से ली गई हैं, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता से अनुमोदन करना आवश्यक होगा।

6- कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक, वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति प्राप्त करनी आवश्यक होगी। बिना ऐसी स्वीकृति के किसी भी दशा में कार्य को प्रारम्भ न किया जाय।

7- कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितनी राशि स्वीकृत की गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।



क्रमशः 2/-

8- कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित कराना सुनिश्चित करें।

9- आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गयी है, उसी मद पर व्यय किया जाय, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदावित न किया जाय।

10- निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाये जाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा ली जाय तथा उपयुक्त पाई जाने वाली सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाय।

भवदीय,

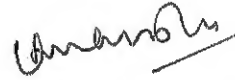
(टीकम सिंह पंवार)
अपर सचिव।

संख्या: 99 (1)/XVI-2/16/19(15)/2015, तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड।।
- 2- निदेशक, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग, चौबटिया, रानीखेत।
- 3- वित्त (व्यय नियंत्रण) अनु0-4।
- 4- बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय।
- 5- संबंधित निर्माण एजेन्सी।
- ✓ 6- राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 7- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,


(विकास कुमार श्रीवास्तव)
अनु सचिव।